

INDIA NON JUDICIAL

₹ 5000

R\$ 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

-2-

३३ लख्य प्रकार :- केवाला वयला क्लामी
विक्रय पत्र ।

३४ जरेसम्पन मो०- 4,50,000/- साठे चार लाख रु०
बाजारमुल्य:- मो०- 4,50,000/- साठे चार लाख रु०

३५ संपत्ति:- मवाजी 0.07 $\frac{1}{2}$ साठे सात डी० जमीन

टॉठ आवासीय जो हिन्दी नाम में दो कटठा होता है।
बाके मौजे बारालोटा धाना मेदिनीनगर, जिला पलामू
हकिमत रैयती खरीदगी सिर दखली जिस्तका तफिसल नीचे
लिखे अनुसार है , सब निवन्धन एवं जिला निवन्धन कार्यालय
मेदिनीनगर जिला पलामू , बमौजी ब चौहदी के बंधी जो
इस प्रकार है :-

मौजा	धानानं०	तौजीनं०	खेवट नं०	हल्कानं०
बारालोटा	198	91वी.	1	आवासीय

खाता नं०	प्लॉट नं०	रकबा	चौहदी
102	147	0.07	1

१ एक सौ १ एक सौ सैतालिस
दो १

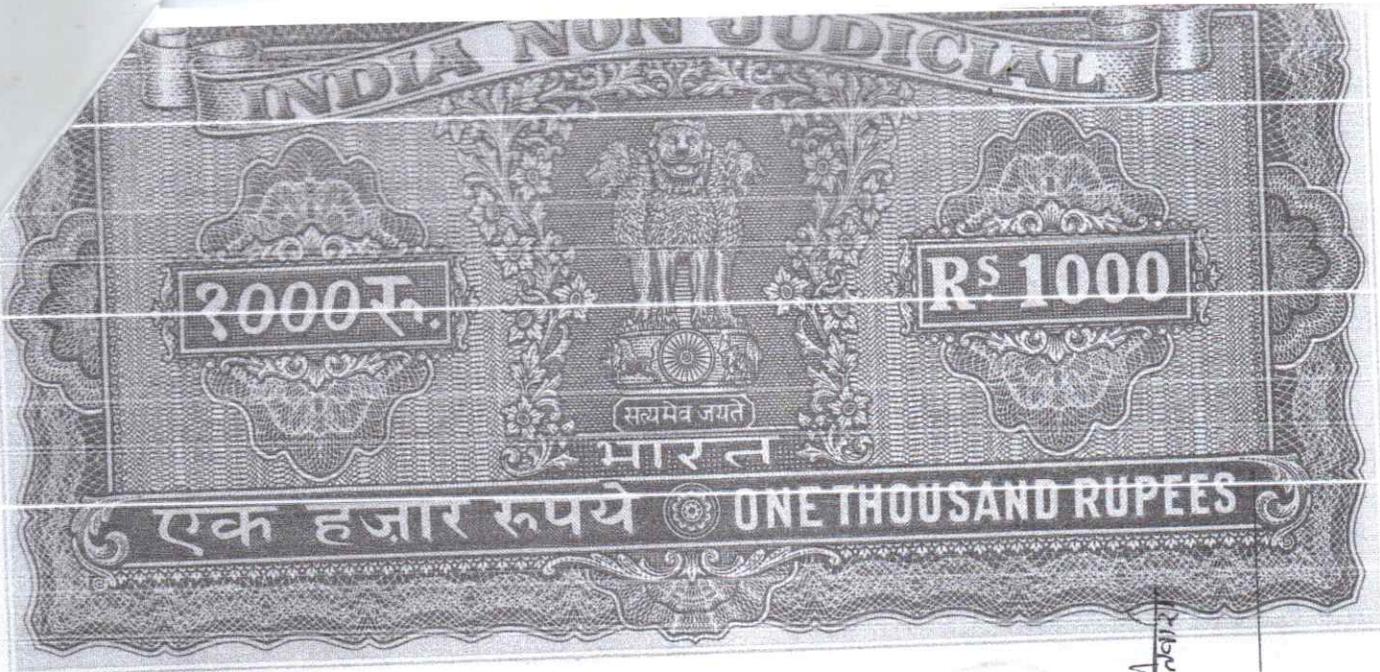
२०- कडाई पाण्डेय
२१- त्रिवेणी तिवारी
२२- नाहर
२३- कडाई पाण्डेय

रजवली देवी बा० प्रेम चन्द्र तिवारी

19/1/07

रजवली देवी तिवारी
प्रेम चन्द्र तिवारी
माला पट्टि
पान पलामू

11/2007



-3-

सालानामाल:- मो0-2/- रुपया अलावे शेष ।

नाम मालिक:- झारखण्ड सरकार बजरी ए अवलाधिकारी
मेदिनीनगर, पलामू ।

विदित हो कि उक्त विक्रय भूमि बजरी ए निबंधन केवाला सं0-7463, दिनांक 23.7.86 ई0 के द्वारा श्री कन्हारी पाण्डेय वल्द स्वर्गीय राम नरेश पाण्डेय निवासी ग्राम बारालोटा धाना मेदिनीनगर, जिला पलामू से प्राप्त है, तथा डिमांड अवल कार्यालय के होल्डिंग नं0- 1904, के द्वारा मांग पंजी-टू, में विक्रेता श्रीमति राजवन्ती देवी के नाम से चल रहा है । तथा रसीद कटती है । उक्त विक्रय भूमि पर किसी प्रकार का ऋण भार वो वारदेन नहीं है गरज के हर हालत में साफ तथा सुरक्षित है ।

यूके विक्रेता को अपने घर की तरफकी तथा दीगर भूमि अपने लहाव की खरीद करनी है जिसके लिए रुपये का आवश्यकता पड़ी, जो फिलहाल वेला विक्री किये जमीन के अन्य दीगर श्रोतों से रुपये का सविल वो प्रबंध नहीं हो सकता है । अतः उक्त भूमि जो विक्रेता के द्वारा खरीदी गयी है, को विक्री करने का चर्चा- एलान एवं पैगाम किया जिसे क्रेता सुने तथा आज के बाजार मुल्य के अनुरूप दाम देकर

राजवन्ती देवी बाजार पलामू

19/11/07

सूर्यजम दुष
पता -- श्री केशवनाशायण दुषे
सामगाँव - पूर्णदीहा धाना - रसपुर
जलन्त - पलामू - झारखण्ड

20/11/07



-4-

उससे विक्रेता समस्त परिवार संतुष्ट एवं खुश है , आज तक जो हक एवं अधिकार विक्रेता श्री मीत राजवन्ती देवी को प्राप्त था , कुल हक एवं अधिकार के साथ क्रेता श्री धूम नारायण पाण्डेय को हस्तांतरित कर अपने जगह पर कायम वो काबिज दखल गरदाना तथा कब्जा दखल दे दिया ।

बाहिए कि क्रेता खूद मय उत्तराधिकारी उक्त भूमि के दखल कब्जे में रहकर अपने मन-मोताविक , मकान-दुकान बनावें स्वयं रहें या किराया में लगावें जिन्स कदर चाहे उपयोग करें । तथा वजरीए दाखिल खारीज के डिमाण्ड खोलवाकर भूराजस्व दिया करें इसमें हम विक्रेता मय उत्तराधिकारी को स्थानापन्न को किसी प्रकारका कोई हक दावी या अधिकार वास्ता वो सरोकार नही रहा और न भविष्य में होगा । और न हो सकता है । जरेसम्पन्न का रकम अग्रिम निबंधन के नगद एकमुहुरत चुकता वसुल पा लिए है जो रसीद निबंधन कार्यालय से केवाला निकासी के लिए मिलेगा वेला उज्जर क्रेता को हवाले कर देंगे जिल्लके द्वारा मूल केवाला निकाल कर क्रेता अपने पास रख लेंगे । अतः राजी खुशी से वेला दाव नाजायज किसी प्रकार यह विक्रय पत्र लिख दिया कि प्रमाण रहे वो समय पर काम दें । विक्रय भूमि लाल रंग से नक्शो में दर्शाया

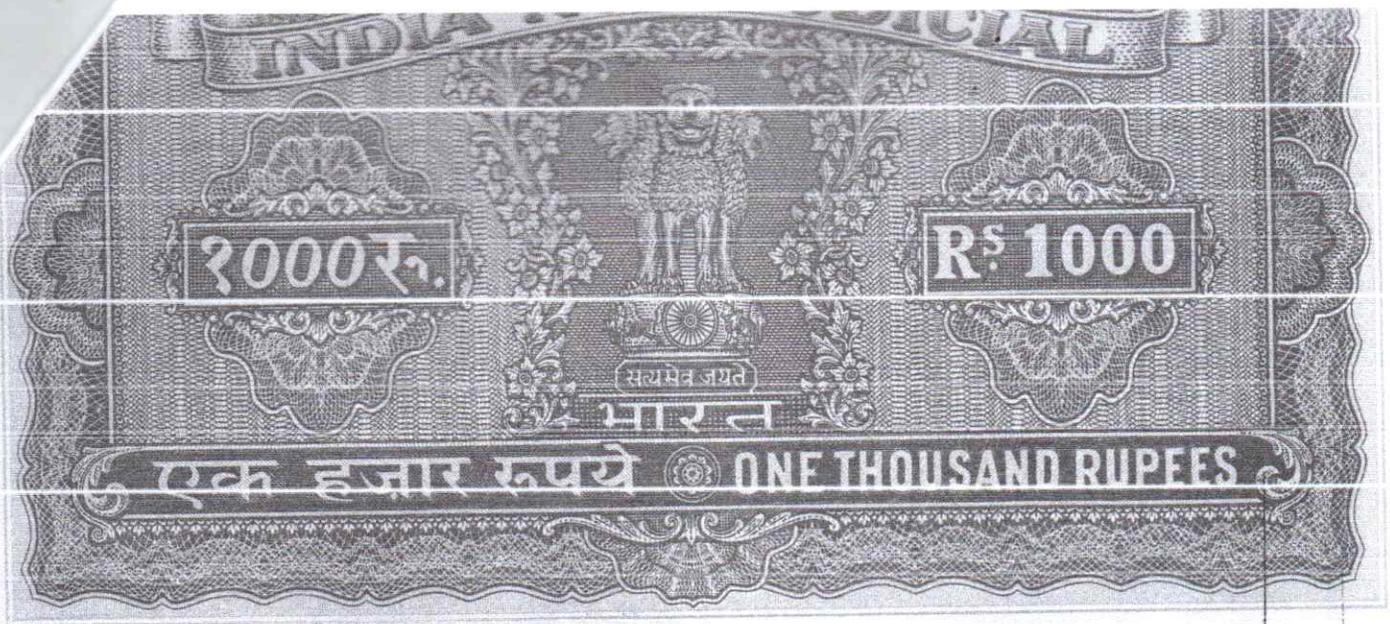
रजवन्ती देवी विक्रेता

20/11/61



विक्रेता श्री धूम नारायण पाण्डेय

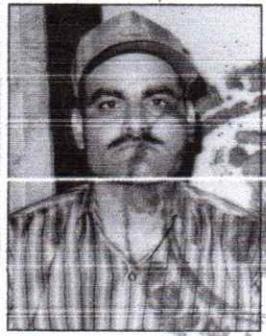
20/11/61



-5-

प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज और इसकी
 की गयी कॉपी दोनों एक दूसरे का हुबहु नकल है ।
 टंकक-१ विजय कुमार दूवे, मेदिनीनगर, पलामु ।

विजय कुमार दूवे
 19/11/07



श्री नारायण दास

19-11-07



प्रमाणित किया जाता है कि केवाला के लगाने
 गणा सभी उपक्रों का फोटो एवं बायें हाथ
 के अंगुलीयों का निशान मेरे सामने सिपा
 गणन ही सही सदन काउंटिन बफिका पिपीव
 मेदिनी नगर प्लाट नम्बर 83/03
 दिनांक 9-8-99-2009 ई.सि
 कातीव- सदन काउंटिन बफिका पिपीव
 मेदिनी नगर केवाला का मगहन पद
 का दोनों पक्षों को सुना दिया
 दिनांक 9-8-99-2009 ई.सि

श्री नारायण दास केवाला -
 मेदिनी -
 19/11/07